Bihar Board Class 8 Hindi Solutions Chapter 22 सुदामा चरित

प्रश्न 1.
सुदामा की दीन दशा देखकर श्रीकृष्ण किस प्रकार भाव-विह्वल हो गए?
उत्तर:
सुदामा की दीन-दशा देखकर श्रीकृष्ण इतना विह्वल हो गये कि रोने लगे। इतने रोये कि पैर धोने के लिए लाया गया पानी कठौती में यों ही रह गया। अपने अश्रु-जल से ही सुदामा के पैर धो डाले।

प्रश्न 2.
गुरु के यहाँ की किस बात की याद श्रीकृष्ण ने सुदामा को दिलाई ?
उत्तर:
बचपन में जब दोनों मित्र संदीपन मुनि के आश्रम में रहते थे तो आश्रम के लिए लकड़ी जुटाने के लिए दोनों मित्र जंगल में गये थे। गुरु माता ने गुड़ और चना सुदामा की पोटली में बाँध दी थी कि दोनों खा लेना । लेकिन सुदामा भूख लगने पर चुपके से स्वयं ही खा गये थे। इसी बात की याद श्रीकृष्ण ने सुदामा को द्वारिका में दिलाई।

प्रश्न 3.
अपने गाँव वापस आने पर सुदामा को क्यों भ्रम हो गया ?
उत्तर:
ज़ब सुदामा द्वारिका से वापस अपने गाँव आते हैं तो अपनी झोपड़ी की जगह द्वारिका जैसा ही महल देखकर भ्रमित हो गये।

पाठ से आगे

प्रश्न 1.
श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता आज उदाहरण के रूप में क्यों प्रस्तुत की जाती है ?
उत्तर:
जब एक मित्र धनवान और दूसरा गरीब होता है तथा धनवान मित्र गरीब मित्र की सहायता करता है तो ऐसे मित्रों के बीच मित्रता को – कृष्ण-सुदामा की मित्रता जैसा उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

प्रश्न 2.
सुदामा को कुछ न देकर उनकी पत्नी को सीधे वैभव सम्पन्न करने का
क्या औचित्य था ?
उत्तर:
सुदामा अपनी दीनता से कभी आहत नहीं हुए। लेकिन उनकी पत्नी आहत थी। सम्भवतः सुदामा उस वैभव को स्वीकार भी नहीं करते । अतः श्रीकृष्ण ने सुदामा को वैभव न प्रदान कर उनकी पत्नी को ही वैभव' सम्पन्न कर दिया।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 3.
कविता के भावों को ध्यान में रखकर एक कहानी लिखिए।
उत्तर:
दो मित्र साथ रहते थे। दोनों पढ़-लिखकर धनार्जन के लिए निकले । संयोग से एक मित्र को अच्छे पद पर नौकरी लग गई। थोड़े ही दिनों में वह उस शहर का बड़ा व्यापारी बन गया। नौकर-चाकर, सवारी सभी लौकिक सुख उसे प्राप्त हो गये।

दूसरा मित्र एक शहर से दूसरा शहर मारा-फिरता लेकिन उचित आय – का साधन नहीं जुटा पाया। एक दिन दूसरा मित्र एक फैक्ट्री में काम पाने के लिए जाता है। गेटवान ने उसको मालिक से मिलाया। मित्र-मित्र को पहचान जाता है। दोनों एक-दूसरे से गले मिले तथा गरीब मित्र को अपने फैक्ट्री का मेनेजर पद पर नियुक्त कर लिया । अब दूसरा मित्र भी सब सुख-साधन से युक्त है। उसे भी किसी चीज की कमी नहीं है।

व्याकरण

निम्नलिखित शब्दों के मानक रूप लिखिए।

1. मनि = मणि ।
2. सीस = शीश ।
3. राज काज = राज्यकार्य ।
4. विहार = बेहाल ।
5. दसा = दशा ।
6. वामि = वाम ।
7. मारग = मार्ग ।

https://www.evidyarthi.in/